ऋणपत्रों का निर्गमन एवं शोधन
[ISSUE AND REDEMPTION OF DEBENTURES]

ऋणपत्र का अर्थ और परिभाषा
(MEANING AND DEFINITIONS OF DEBENTURE)

ऋणपत्र कम्पनी के द्वारा निर्गमित निश्चित समान राशियों के ऋण का प्रमाण-पत्र है जिसके द्वारा कम्पनी जनता से लिए गए ऋण की स्वीकृति अपनी सार्वमुद्रा के अन्तर्गत देती है। ऋणपत्र कम्पनी के द्वारा लिए गए ऋण का सूचक है। इसके धारक को ऋणपत्रधारी (Debentureholder) कहते हैं।

ऋणपत्र पर ऋण सम्बन्धी शर्तें (ऋण की राशि, ब्याज की दर, ब्याज के भुगतान का समय, ऋण की अवधि, शोधन का ढंग, आदि) उल्लेखित रहती हैं। ऋणपत्र के आगे ब्याज की दर उल्लेखित रहती है; जैसे, 12% ऋणपत्र (12% Debentures)। ऋणपत्र का निर्गमन सममूल्य, अधिमूल्य या कटौती पर किया जाता है। कम्पनी ऋणपत्र का शोधन ऋणपत्रों को अंशों में परिवर्तित करके या नकद भुगतान के द्वारा करती है।

पामर (Palmer) के अनुसार, ''ऋणपत्र ऋण स्वीकार करने का प्रमाण-पत्र है जिसे कम्पनी की सार्वमुद्रा के अन्तर्गत दिया जाता है और एक निश्चित तिथि पर मूल राशि को लौटाने और जब तक मूलधन का भुगतान न हो जाए तब तक एक निश्चित दर से उस पर ब्याज देने का अनुबन्ध है। यह कम्पनी की सम्पत्तियों पर ऋण के हेतु जमानत के रूप में प्रभार होता है।''[1]

कम्पनी अधिनियम, 2013 **की धारा** 2(30) के अनुसार, ''ऋणपत्र में ऋण को प्रकट करने वाली ऋणपत्र स्टॉक, बॉण्ड और कम्पनी की अन्य प्रतिभूतियां सम्मिलित हैं चाहे वे कम्पनी की सम्पत्तियों पर प्रभार रखती हों या नहीं।''[2]

आदर्श परिभाषा (Ideal definition)—ऋणपत्र कम्पनी की सार्वमुद्रा में स्वीकृत एवं निर्गमित ऋण प्राप्ति का प्रमाण-पत्र है जिस पर ऋण सम्बन्धी शर्तें जैसे, ब्याज की दर, अवधि, शोधन की विधि, आदि उल्लेखित रहती हैं। वस्तुतः यह कम्पनी की ऋणदाता प्रतिभूति (Creditorship Security) है।

बॉण्ड का अर्थ
(MEANING OF BOND)

बॉण्ड भी एक लिखित प्रपत्र है जो ऋण का अभिज्ञान (acknowledgement) करता है। परम्परागत रूप से बॉण्ड केवल सरकार द्वारा निर्गमित किए जाते हैं पर इन दिनों अर्द्ध-सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा भी ऋण के प्रमाण के रूप में बॉण्ड जारी किए जाते हैं। 'ऋणपत्र' और 'बॉण्ड' शब्द का प्रयोग अब एक-दूसरे के स्थान पर किया जाता है।

---

1 "A debenture is an acknowledgement of a debt, given under the seal of the company and constituting a contract for the payment of principal sum on a specific date and for the payment of interest at a fixed rate percent, until the principal sum is repaid. It creates a charge on the assets of the company as security for the loan." —*Palmer*

2 Debentures includes debenture stock, bonds and any other instrument of a company evidencing a debt whether constituting a charge on the assets of the company or not." —*Section* 2(30) *of Companies Act*, 2013.

ऋणपत्रों के प्रकार
(KINDS OF DEBENTURES)

ऋणपत्रों का वर्गीकरण उनकी हस्तान्तरणीयता, सुरक्षा, शोधनशीलता, परिवर्तनशीलता और कूपन दर के आधार पर किया जाता है। ऋणपत्रों के प्रमुख प्रकार निम्नलिखित होते हैं :

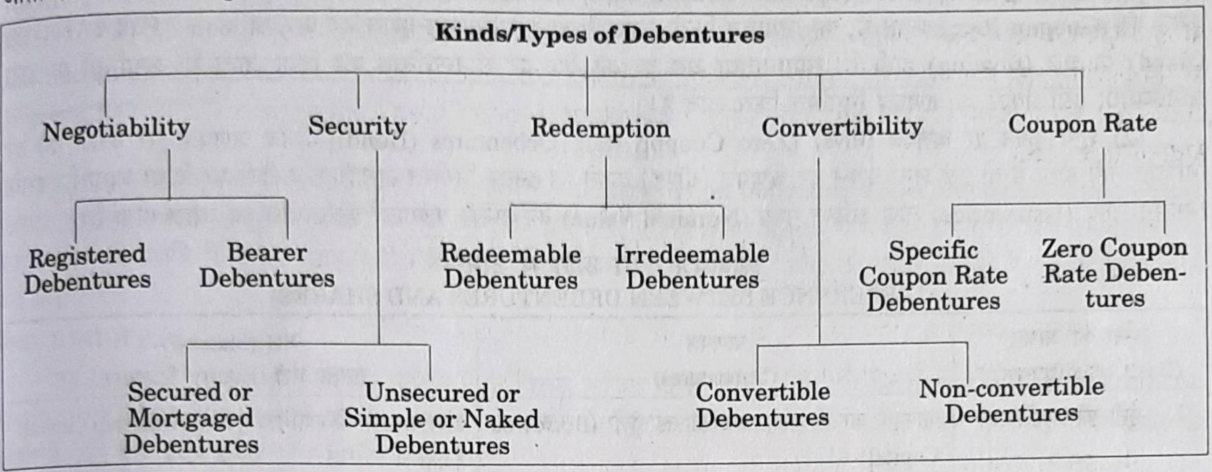

I. **हस्तान्तरणीयता या लेखा के आधार पर** (On the basis of Negotiability or Transferability or Record)

(1) **पंजीकृत ऋणपत्र** (Registered Debentures)—वे ऋणपत्र जो कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत निर्गमित किए जाते हैं और जिनकी प्रविष्टि कम्पनी के ऋणपत्रधारियों के रजिस्टर में की जाती है, पंजीकृत ऋणपत्र कहलाते हैं। इन ऋणपत्रों के मूलधन तथा उस पर देय ब्याज का भुगतान केवल कम्पनी के पंजीकृत ऋणपत्रधारियों को ही दिया जाता है।

(2) **वाहक ऋणपत्र** (Bearer Debentures)—वे ऋणपत्र जिनकी प्रविष्टि कम्पनी के ऋणपत्रधारियों के रजिस्टर में नहीं होती है और जिनका हस्तान्तरण केवल सुपुर्दगी से होता है, वाहक ऋणपत्र कहलाते हैं। इन ऋणपत्रों के मूलधन तथा ब्याज का भुगतान उनके वाहक को दिया जाता है। वाहक ऋणपत्रों के साथ कूपन संलग्न होते हैं जिनको बैंक में प्रस्तुत करके वाहक बैंक से ब्याज की राशि प्राप्त कर लेता है।

II. **सुरक्षा के आधार पर** (On the basis of Security)

(1) **सुरक्षित या बन्धकसहित ऋणपत्र** (Secured or Mortgaged Debentures)—वे ऋणपत्र जो कम्पनी की चल या अचल सम्पत्ति पर प्रभार द्वारा सुरक्षित होते हैं, सुरक्षित या बन्धकसहित ऋणपत्र कहलाते हैं। यदि कम्पनी ऋणपत्रधारियों को देय ब्याज या मूलधन के भुगतान में त्रुटि करती है तो ऋणपत्रधारी अपनी क्षतिपूर्ति की राशि को भार या बन्धक पर रखी हुई सम्पत्ति के विक्रय द्वारा प्राप्त कर सकते हैं। भारत में निर्गमित सभी ऋणपत्रों का रक्षित होना अनिवार्य है।

(2) **असुरक्षित या साधारण या नग्न ऋणपत्र** (Unsecured or Simple or Naked Debentures)—वे ऋणपत्र जिन पर देय ब्याज और मूलधन के लिए कम्पनी की कोई प्रतिभूति प्रभारित नहीं होती है, असुरक्षित या साधारण या नग्न ऋणपत्र कहलाते हैं। यह केवल ऋण का प्रमाण-पत्र होता है। कम्पनी के समापन के समय इन्हें साधारण लेनदार माना जाता है। इन ऋणपत्रों का प्रचलन अब नहीं के बराबर है।

III. **शोधन के आधार पर** (On the basis of Redemption)

(1) **शोधनीय ऋणपत्र** (Redeemable Debentures)—वे ऋणपत्र जिनका शोधन कम्पनी द्वारा निश्चित अवधि के बाद ऋणपत्रधारियों की मांग पर या उन्हें सूचना देकर किया जाता है, शोधनीय ऋणपत्र कहलाते हैं। कम्पनी अपने जीवनकाल में इन ऋणपत्रों का भुगतान कर देती है। साधारणतया कम्पनी शोधनीय ऋणपत्रों का निर्गमन करती है।

(2) **अशोध्य ऋणपत्र** (Irredeemable Debentures)—वे ऋणपत्र जिनका शोधन कम्पनी के समापन पर किया जाता है, अशोध्य ऋणपत्र कहलाते हैं। कम्पनी इन पर नियमित रूप से ब्याज देती है।

IV. **परिवर्तनशीलता के आधार पर** (On the basis of Convertibility)

(1) **परिवर्तनशील ऋणपत्र** (Convertible Debentures)—वे ऋणपत्र जिनका शोधन ऋणपत्रधारियों की स्वेच्छा पर समता अंशों या अन्य प्रतिभूतियों में परिवर्तित करके किया जाता है, परिवर्तनशील ऋणपत्र कहलाते हैं। यह परिवर्तन एक निश्चित समयावधि में निर्धारित शर्तों के अनुसार होता है। ये ऋणपत्र काफी लोकप्रिय हैं।

ऋणपत्र तथा अंश में अन्तर
(DIFFERENCE BETWEEN DEBENTURES AND SHARES)

अन्तर का आधार (Basis of difference)	ऋणपत्र (Debentures)	अंश (Shares)/ समता अंश (Equity Shares)
1. **पूंजी की प्रकृति**	ऋणपत्र कम्पनी की उधार ली गई पूंजी (Borrowed Capital) है।	अंश कम्पनी की स्वामित्व पूंजी (Ownership Capital) है।
2. **धारक की स्थिति**	ऋणपत्र के धारक कम्पनी के लेनदार (Creditors) होते हैं।	अंश के धारक कम्पनी के स्वामी (Owner) होते हैं।
3. **प्रतिफल**	ऋणपत्र का प्रतिफल उसका ब्याज है।	अंश का प्रतिफल उसका लाभांश है।
4. **प्रतिफल का भुगतान**	ऋणपत्र पर ब्याज निर्धारित शर्तों के अनुसार दिया जाता है। इसका लाभ से सम्बन्ध नहीं होता है।	अंश पर लाभांश कम्पनी को लाभ होने की स्थिति में दिया जाता है।
5. **प्रतिफल की दर**	ऋणपत्र पर ब्याज की दर पूर्व निश्चित होती है।	अंश पर लाभांश की दर पूर्व निश्चित नहीं होती है। यह लाभ की मात्रा पर निर्भर करती है।
6. **प्रतिफल की निशिचतता**	ऋणपत्र पर ब्याज प्राप्ति की निश्चितता होती है।	अंश पर लाभांश की प्राप्ति अनिश्चित है।
7. **शोधन**	ऋणपत्रों का शोधन ऋणपत्र की शर्तों के अनुसार कम्पनी के जीवनकाल में भी हो सकता है।	अंश पूंजी की वापसी कम्पनी के समापन पर होती है।
8. **सुरक्षित**	साधारणतया ऋणपत्र सुरक्षित (Secured) होते हैं।	अंश असुरक्षित (Unsecured) होते हैं।
9. **प्रबन्ध में भागीदारी**	ऋणपत्र के धारक कम्पनी के प्रबन्ध में भागीदार नहीं हो सकते हैं।	अंश के धारक कम्पनी के प्रबन्धकर्ता हैं।
10. **मताधिकार**	ऋणपत्र के धारक को मत देने का अधिकार नहीं होता है।	अंश के धारक को मत देने का अधिकार होता है।
11. **कटौती पर निर्गमन**	ऋणपत्र को कटौती पर निर्गमन हेतु वैधानिक प्रतिबन्ध नहीं है।	अंशों को कटौती पर निर्गमन हेतु वैधानिक प्रतिबन्ध है।
12. **बाजार से क्रय**	एक कम्पनी अपने ऋणपत्रों को खरीद सकती है, रद्द कर सकती है या पुनः निर्गमित कर सकती है।	एक कम्पनी अपने अंशों को बाजार से नहीं खरीद सकती है।
13. **परिवर्तनशीलता**	ऋणपत्रों को दी गई शर्तों के अधीन अंशों में परिवर्तित किया जा सकता है।	अंशों को ऋणपत्रों में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।
14. **जोखिम का तत्व**	साधारणतया ऋणपत्र कम्पनियों की सम्पत्तियों के द्वारा सुरक्षित रहते हैं; इस कारण इसमें कम जोखिम है।	अंश हमेशा असुरक्षित होते हैं; इस कारण इसमें अत्यधिक जोखिम है।
15. **लाभ पर प्रभाव**	ऋणपत्र पर ब्याज लाभ पर प्रभारित है।	अंश पर लाभांश लाभ का नियोजन है।
16. **जब्त करने का अधिकार**	बकाया पर भुगतान न होने पर भी ऋणपत्रों को जब्त नहीं किया जा सकता है।	बकाया पर भुगतान न होने पर अंशों को जब्त किया जाता है।

17. कम्पनी के समापन पर भुगतान	अंशधारियों को भुगतान देने के पूर्व ऋणपत्रधारियों को भुगतान पर प्राथमिकता प्राप्त है।	सभी दायित्वों का भुगतान देने के बाद बचे आधिक्य से अंशधारियों को भुगतान दिया जाता है।
18. आर्थिक चिट्ठा में प्रदर्शन	ऋणपत्र को कम्पनी के आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में सुरक्षित ऋण के अन्तर्गत दिखाया जाता है।	अंशों को कम्पनी के आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में अंश पूंजी के अन्तर्गत दिखाया जाता है।
19. ट्रस्ट अनुबन्ध	ऋणपत्र ट्रस्ट अनुबन्ध बनाना अनिवार्य है।	ऋणपत्र ट्रस्ट अनुबन्ध बनाना अनिवार्य नहीं है।

ऋणपत्रों के निर्गमन के प्रकार
(TYPES OF ISSUE OF DEBENTURES)

प्रतिफल के दृष्टिकोण से ऋणपत्रों का निर्गमन निम्नलिखित प्रकार किया जाता है :

(1) **नकद में** (For Cash)—कम्पनी ऋणपत्रों का निर्गमन एकमुश्त राशि प्राप्त करने के उद्देश्य से या किस्तों/याचनाओं के द्वारा राशि प्राप्त करने के उद्देश्य से करती है। ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य, अधिमूल्य या कटौती पर किया जाता है।

(2) **नकद छोड़कर अन्य प्रतिफल में** (For Consideration other than Cash)—कम्पनी किसी सम्पत्ति के क्रय प्रतिफल का भुगतान ऋणपत्रों में या किसी व्यवसाय के क्रय प्रतिफल का भुगतान ऋणपत्रों के निर्गमन के द्वारा कर सकती है। इस स्थिति में भी ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य, अधिमूल्य या कटौती पर किया जाता है।

(3) **सहायक प्रतिभूति के रूप में** (As Collateral Security)—कम्पनी अपने ऋणदाता (बैंक तथा वित्तीय संस्थान) को सहायक (द्वितीयक) प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों का निर्गमन करती है। इस स्थिति में यदि ऋणदाता को सम्पूर्ण ऋण का भुगतान मूल प्रतिभूति से प्राप्त नहीं होता है तो ऋणदाता शेष ऋण के लिए कम्पनी का ऋणपत्रधारी बन जाता है। यदि कम्पनी ऋण तथा ब्याज का समय पर भुगतान कर देती है तो ऋणदाता इन ऋणपत्रों को वापस कर देता है।

ऋणपत्रों के निर्गमन हेतु रोजनामचा प्रविष्टियां
(JOURNAL ENTRIES FOR ISSUE OF DEBENTURES)

अंशपत्रों के निर्गमन की तरह ही ऋणपत्रों का निर्गमन किया जाता है। कम्पनी ऋणपत्रों के निर्गमन हेतु प्रविवरण जारी करती है और आवेदन मांगती है। कम्पनी यह निर्गमन एकमुश्त राशि (lump-sum amount) की प्राप्ति हेतु या विभिन्न किस्तों/याचनाओं के द्वारा करती है। कम्पनी ऋणपत्र को सममूल्य या अधिमूल्य या कटौती पर निर्गमित करती है। ऋणपत्र को कटौती पर निर्गमित करने हेतु वैधानिक प्रतिबन्ध नहीं है। **कम्पनी याचनाओं पर राशि नहीं मिलने पर ऋणपत्रों को जब्त नहीं कर सकती है।**

नकद के लिए ऋणपत्रों का निर्गमन
(ISSUE OF DEBENTURES FOR CASH)

ऋणपत्रों के नाम के आगे एक प्रतिशत (10%, 12%, आदि) उल्लेखित रहता है। यह प्रतिशत ब्याज की दर का द्योतक है। रोजनामचा प्रविष्टियों को करते समय **Debenture** के आगे इस प्रतिशत को लिखना चाहिए क्योंकि यह ऋणपत्र के अंग होते हैं। ऋणपत्रों को सममूल्य, अधिमूल्य या छूट पर निर्गमित किया जाता है।

सममूल्य पर ऋणपत्रों का निर्गमन
(ISSUE OF DEBENTURES AT PAR)

अर्थ (Meaning)—ऋणपत्रों का सममूल्य पर निर्गमन तब कहा जाता है जब ऋणपत्र का निर्गमित मूल्य (Issue price) तथा अंकित मूल्य (Face value) एकसमान होता है। उदाहरणार्थ, यदि 100 ₹ मूल्य का ऋणपत्र 100 ₹ में ही निर्गमित होता है तो इसे सममूल्य पर ऋणपत्र का निर्गमन कहेंगे।

आर्थिक चिट्ठे में प्रदर्शन (Presentation in Balance Sheet)—ऋणपत्र कम्पनी के लिए दीर्घकालीन दायित्व (Long-term Liabilities) होते हैं। इस कारण इसे आर्थिक चिट्ठे के 'समता और दायित्व' (Equity and Liabilities) पक्ष के अन्तर्गत 'गैर-चालू दायित्व' (Non-Current Liabilities) शीर्षक में दीर्घकालीन ऋण (Long-term Borrowings) के अन्तर्गत दिखाते हैं।

Balance Sheet of..........
(as at ....)

Particulars	*Note No.*	*Current Year*	*Previous Year*
I. EQUITY AND LIABILITIES		₹	₹
Non-current liabilities			
Long-term borrowings			
...... Debentures			
(...... Debentures of ₹ ...... per debenture)		......	......
II. ASSETS			
Current assets			
Cash and cash equivalents (Cash at bank)			

मांग पर बकाया
(CALLS IN ARREARS)

अर्थ (Meaning)—ऋणपत्रधारियों से याचनाओं पर राशि की मांग की जाती है। किन्हीं कारणों से कुछ ऋणपत्रधारी याचना पर राशि मांगने पर भुगतान नहीं कर पाते हैं। यह भुगतान न की गई राशि मांग पर बकाया (Calls in arrears) कही जाती है। याचना पर मांग पर बकाया होने के बावजूद भी कम्पनी ऋणपत्रों को जब्त नहीं कर सकती है।

ऋणपत्रों के मांग पर बकाया राशि पर ब्याज (Interest on Calls in Arrears on Debentures)—ऋणपत्रधारी मांग पर बकाया का भुगतान बाद की याचनाओं पर कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में कम्पनी मांग पर बकाया राशि पर ब्याज प्रविवरण में उल्लेखित ब्याज की दर के अनुसार या ऋणपत्र के निर्गमन पर उल्लेखित शर्तों के अनुसार लेती है।

अग्रिम याचना का भुगतान
(CALLS PAID IN ADVANCE)

अर्थ (Meaning)—कम्पनी के द्वारा ऋणपत्र पर याचना की राशि देय होने के बाद ऋणपत्रधारी इसका भुगतान करते हैं। कभी-कभी कुछ ऋणपत्रधारी कम्पनी के द्वारा बिना मांगे ही याचना की राशि को अग्रिम भेज देते हैं जिसे अग्रिम याचना पर भुगतान (Calls paid in Advance) कहते हैं।

ऋणपत्रों के अग्रिम याचना पर भुगतान राशि पर ब्याज (Interest on Calls paid in Advance on Debentures)—कम्पनी अग्रिम याचना का भुगतान पाने पर ऋणपत्रधारियों को इस राशि पर ब्याज देती है। ब्याज की दर प्रविवरण में उल्लेखित रहती है या ऋणपत्र के निर्गमन पर उल्लेखित शर्तों के अनुसार होती है।

ऋणपत्रों का अति-अभिदान
(OVER-SUBSCRIPTION OF DEBENTURES)

अर्थ (Meaning)—कम्पनी के द्वारा ऋणपत्रों का निर्गमन करने के बाद कम्पनी को अपनी आवश्यकता से अधिक आवेदन-पत्रों की प्राप्ति होती है। इसे ऋणपत्रों का अति-अभिदान (Over-Subscription of Debentures) कहते हैं।

अति-अभिदान का उपयोग (Use of Over-subscription)—ऋणपत्रों के निर्गमन पर प्राप्त अति-अभिदान की राशि का निम्नलिखित तीन विकल्पों में प्रयोग किया जाता है :

(i) **प्रथम विकल्प : आधिक्य आवेदन राशि की वापसी** (First Alternative : Refund of Excess Application money)—आवश्यकता से अधिक प्राप्त आवेदनों को अस्वीकृत कर आबंटन की राशि आवेदक को वापस कर दी जाती है।

(ii) **द्वितीय विकल्प : आंशिक आबंटन** (Second Alternative : Partial Allotment)—सभी आवेदकों को आनुपातिक आबंटन (Pro-rata allotment) करने के बाद शेष राशि का समायोजन आबंटन/याचना में किया जाता है।

(iii) **तृतीय विकल्प : उपर्युक्त दोनों विकल्पों का संयोजन** (Third Alternative : A Combination of the above two alternatives)—कम्पनी कुछ आवेदकों को पूर्ण आवेदन (Full allotment), कुछ आवेदकों को आंशिक आबंटन (Partial allotment) और शेष आवेदकों को आबंटन नहीं कर उनकी राशि वापस कर देती है। आंशिक आबंटन की स्थिति में शेष राशि का उपयोग आवेदन/याचना में किया जाता है।

ऋणपत्रों का प्रीमियम (अधिमूल्य) पर निर्गमन
(ISSUE OF DEBENTURES AT PREMIUM)

अर्थ (Meaning)—ऋणपत्र को उसके अंकित मूल्य (face value) से अधिक मूल्य पर निर्गमित किया जा सकता है। ऋणपत्र के अंकित मूल्य से अधिक मूल्य को अधिमूल्य (Premium) कहते हैं। जब कम्पनी अपने ऋणपत्रों को अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर निर्गमित करती है तो इसे ऋणपत्रों को प्रीमियम पर निगर्मन करना कहते हैं। जैसे, ऋणपत्र का अंकित मूल्य 100 ₹ है। इसे 125 ₹ पर जारी किया गया है। यहां पर 125 ₹ – 100 ₹ = 25 ₹ ऋणपत्र पर प्रीमियम है। ऋणपत्र पर प्रीमियम की राशि कम्पनी की ख्याति पर निर्भर करती है। कम्पनीज अधिनियम, 2013 के अनुसूची III, भाग I के अनुसार Debenture Premium की जगह Securities Premium Reserve लिखा जाता है।

नोट : ऋणपत्रों के प्रीमियम पर निर्गमन से प्राप्त प्रतिभूति प्रीमियम कोष में से ऋणपत्रों के निर्गमन के व्ययों या कमीशन के भुगतान इत्यादि को अपलिखित किया जा सकता है।

ऋणपत्रों का कटौती पर निर्गमन

(ISSUE OF DEBENTURES AT DISCOUNT)

अर्थ (Meaning)—ऋणपत्र को उसके अंकित मूल्य (Face value) से कम मूल्य पर निर्गमित किया जा सकता है। ऋणपत्र के अंकित मूल्य से कम मूल्य कटौती (Discount) है। जैसे, 100 ₹ के ऋणपत्र को 90 ₹ में निर्गमित करना। यहां पर 100 ₹ − 90 = 10 ₹ ऋणपत्र पर कटौती है। कम्पनी के लिए ऋणपत्र पर कटौती पूंजीगत हानि (Capital losses) है। ऋणपत्र को कटौती पर निर्गमित करने के लिए कोई वैधानिक प्रतिबन्ध नहीं है।

छूट पर प्रतिबन्ध (Restriction on Discount)—कम्पनी अधिनियम ऋणपत्रों को छूट पर निर्गमित करने पर कोई प्रतिबन्ध नहीं लगाता है। हालांकि परिवर्तनशील ऋणपत्रों (Convertible Debentures) को छूट पर निर्गमित नहीं किया जा सकता है; यदि वे तुरन्त परिवर्तनीय हों।

लेखांकन संव्यवहार (Accounting Treatment)—कम्पनी ऋणपत्र पर कटौती साधारणतया आबंटन के समय देती है। इसके लिए निम्नलिखित रोजनामचा प्रविष्टियां की जाती हैं :

1. ऋणपत्र का कटौती पर आबंटन के साथ निर्गमन करना	Debenture Allotment A/c Dr. Discount on Issue of Debentures A/c To Debentures A/c (Being debenture allotment money due on ......debentures @ ₹...each excluding discount @ ₹ ... each)
2. आबंटन की राशि प्राप्त होना	Bank A/c Dr. To Debenture Allotment A/c (Being debenture allotment money received on ..... debentures @ ₹ ..... each excluding discount)

[*Note* : The amount demanded on allotment should be taken as net payable amount by the debentureholders unless otherwise stated.]

आर्थिक चिट्ठे में प्रदर्शन (Presentation in Balance Sheet)—ऋणपत्रों के निर्गमन पर छूट को, यदि इसे अपलिखित न किया गया हो, आर्थिक चिट्ठे में ''सम्पत्ति पक्ष में'' ''Other Current/Non-current Assets'' शीर्षक में ''Unamortised Expenses'' के रूप में दिखाना होगा। यदि इसे अगले 12 माह में अपलिखित करने का संकेत है तो यह ''Other Current Assets'' की मद होगी और यदि इससे अधिक समय में अपलिखित करने का संकेत है तो यह ''Other Non-current Assets'' की मद है। यदि कुछ स्पष्ट नहीं है तो ''Other Current/Non-current Assets'' शीर्षक देकर उसके अन्तर्गत ''Discount on Issue of Debentures'' को ''Unamortised Expenses'' के रूप में दिखाया जा सकता है।

यह ध्यान रहे कि ऋणपत्रों के निर्गमन पर छूट को 'प्रतिभूति प्रीमियम कोष' से या 'लाभ-हानि विवरण' से अपलिखित किया जा सकता है।

नकद छोड़कर अन्य प्रतिफल में ऋणपत्रों का निर्गमन
(ISSUE OF DEBENTURES FOR CONSIDERATION OTHER THAN CASH)

OR

सम्पत्तियों के क्रय प्रतिफल में ऋणपत्रों का निर्गमन
(ISSUE OF DEBENTURES FOR PURCHASE CONSIDERATION OF ASSETS)

OR

विक्रेताओं को ऋणपत्र निर्गमित करना
(ISSUE OF DEBENTURES TO VENDORS)

I. **जब कुछ सम्पत्तियां विक्रेताओं से खरीदी जाएं** (When Some Assets are purchased from Vendors)

लेखांकन व्यवहार (Accounting Treatment)—कम्पनी स्थायी सम्पत्तियों (जैसे, भूमि, भवन, फर्नीचर, आदि) का उधार क्रय करती है और इसका भुगतान ऋणपत्रों के निर्गमन के द्वारा करती है। यह भुगतान या ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य या अधिमूल्य या कटौती पर किया जाता है। इसके लिए निम्नलिखित रोजनामचा प्रविष्टियां की जाती हैं :

ऋणपत्रों का निर्गमन एवं शोधन

1. सम्पत्ति को उधार खरीदना	Assets A/c Dr. To Vendor's A/c (Being assets purchased on credit from vendor)
2. क्रय प्रतिफल में ऋणपत्र का सममूल्य पर निर्गमन	Vendor's A/c Dr. To Debentures A/c (Being....... debentures of ₹...... each issued at par in purchase consideration to vendor)
3. क्रय प्रतिफल में ऋणपत्र का प्रीमियम पर निर्गमन	Vendor's A/c Dr. To Debentures A/c To Securities Premium Reserve A/c (Being.......debentures of ₹...each issued at a premium of ₹....each in purchase consideration to vendor)
4. क्रय प्रतिफल में ऋणपत्र का कटौती पर निर्गमन	Vendor's A/c Dr. Discount on Issue of Debentures A/c Dr. To Debentures A/c (Being ....debentures of ₹... each issued at a discount of ₹..... each in purchase consideration to vendor)

आर्थिक चिट्ठे में प्रदर्शन (Presentation in Balance Sheet)—सम्पत्तियों के क्रय प्रतिफल में ऋणपत्रों का निर्गमन होने पर आर्थिक चिट्ठे के 'समता और दायित्व' में 'दीर्घकालीन ऋण' शीर्षक के अन्तर्गत ऐसे ऋणपत्रों को पृथक् रूप से दिखाया जाता है तथा खरीदी गई सम्पत्तियों को 'सम्पत्ति' (Assets) शीर्षक में 'स्थायी सम्पत्ति' (Fixed Assets) के अन्तर्गत दिखाया जाता है।

Tutorial Notes

(1) रोजनामचा प्रविष्टियां करने के पूर्व विक्रेताओं को निर्गमित किए जाने वाले ऋणपत्रों की संख्या निकालिए :

(a) जब ऋणपत्र सममूल्य पर निर्गमित किए जाएं (When debentures are issued at par) :

$$\text{No. of Debentures} = \frac{\text{Purchase Consideration}}{\text{Issue price per debenture at par}}$$

(b) जब ऋणपत्र कटौती पर निर्गमित किए जाएं (When debentures are issued at discount) :

$$\text{No. of Debentures} = \frac{\text{Purchase Consideration}}{\text{Issue price per debenture at discount}}$$

(c) जब ऋणपत्र प्रीमियम पर निर्गमित किए जाएं (When debentures are issued at premium) :

$$\text{No. of Debentures} = \frac{\text{Purchase Consideration}}{\text{Issue price per debenture at premium}}$$

(2) ऋणपत्रों को आंशिक (fractions) रूप से निर्गमित नहीं किया जा सकता है, उदाहरणार्थ

$$\frac{₹\,55{,}000}{₹\,90} = 611.11 \text{ ऋणपत्र}$$

इस स्थिति में विक्रेता को 90 ₹ प्रत्येक वाले 611 ऋणपत्र निर्गमित किए जाएंगे और शेष 55,000 ₹ $-$ (611 × 90 ₹) = 55,000 ₹ $-$ 54,900 ₹ = 10 ₹ नकद दे दिए जाएंगे।

(3) यह हमेशा याद रखें कि विक्रेता को क्रय मूल्य के बराबर भुगतान होगा चाहे ऋणपत्रों को सममूल्य पर या प्रीमियम पर या कटौती पर निर्गमित किया जाए। यदि ऋणपत्रों को प्रीमियम पर निर्गमित किया जाता है तो ऋणपत्रों का मूल्य अधिक होने के कारण ऋणपत्रों की संख्या कम होगी। यदि ऋणपत्रों को कटौती पर निर्गमित किया जाता है तो ऋणपत्रों का मूल्य कम होने के कारण ऋणपत्रों की संख्या अधिक होगी।

II. जब व्यापार खरीदा जाए (When a Business is purchased)

किसी व्यापार को खरीदने का अर्थ है : व्यापार की सभी सम्पत्तियों और दायित्वों का क्रय करना। ऐसी स्थिति में क्रय मूल्य में अन्तर निम्न प्रकार देय होते हैं :

(i) जब सम्पत्तियों के मूल्य और दायित्वों के मूल्य के अन्तर के बराबर क्रय मूल्य हो (When purchase price is equal to difference between the value of assets and value of liabilities)।

(ii) जब सम्पत्तियों के मूल्य और दायित्वों के मूल्य के अन्तर से अधिक क्रय मूल्य हो (When purchase price is more than the difference between the value of assets and value of liabilities)।

(iii) जब सम्पत्तियों के मूल्य और दायित्व के मूल्य के अन्तर से कम क्रय मूल्य हो (When purchase price is less than the difference between the value of assets and value of liabilities)।

लेखांकन प्रविष्टियां (Accounting Entries)—उपर्युक्त प्रत्येक स्थिति में लेखांकन प्रविष्टियां निम्न प्रकार की जाती हैं :

(i) **एकसमान प्रतिफल** (Equal Consideration)—इसका अर्थ है कि सम्पत्तियों के मूल्य और दायित्वों के मूल्य के बराबर क्रय प्रतिफल होता है।

Sundry Assets A/c	(with the value of assets)	Dr.
To Sundry Liabilities A/c	(with the value of liabilities)	
To Vendor's A/c	(with the purchase consideration)	
(Being assets and liabilities of vendor purchased)		

(ii) **क्रय प्रतिफल अधिक है** (Purchase Consideration is more)—इसका अर्थ है कि सम्पत्तियों के मूल्य और दायित्वों के मूल्य के अन्तर से अधिक क्रय प्रतिफल होता है। ऐसी स्थिति में यह अन्तर लेखांकन मानक-10 के अनुसार 'ख्याति का क्रय' (Purchase of Goodwill) है।

Sundry Assets A/c	(with the value of assets)	Dr.
Goodwill A/c (Balancing figure)	(with the excess of purchase consideration over the value of assets *less* the value of liabilities)	Dr.
To Sundry Liabilities A/c	(with the value of liabilities)	
To Vendor's A/c	(with the purchase consideration)	
(Being assets and liabilities of vendor purchased)		

(iii) **क्रय मूल्य कम है** (Purchase Consideration is less)—इसका अर्थ है कि सम्पत्तियों के मूल्य और दायित्वों के मूल्य के अन्तर से कम क्रय प्रतिफल होता है। ऐसी स्थिति में यह अन्तर कम्पनी के लिए पूंजीगत प्राप्ति होने के कारण पूंजी संचय खाता (Capital Reserve Account) में हस्तान्तरित किया जाता है।

Sundry Assets A/c	(with the value of assets)	Dr.
To Sundry Liabilities A/c	(with the value of liabilities)	
To Capital Reserve A/c (Balancing figure)	(with the excess of the value of assets *less* the value of liabilities over purchase consideration)	
To Vendor's A/c	(with the purchase consideration)	
(Being assets and liabilities of vendor company purchased)		

क्रय प्रतिफल का भुगतान (Payment of Purchase Consideration)—विक्रेता की सम्पत्तियों और दायित्वों का क्रय करने पर कम्पनी क्रय प्रतिफल के रूप में पूर्णदत्त ऋणपत्रों का निर्गमन करती है। ये ऋणपत्र विक्रेता को सममूल्य पर या प्रीमियम पर या छूट पर निर्गमित किए जाते हैं और सम्पत्तियों की तरह रोजनामचा प्रविष्टियां की जाती हैं।

सहायक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों का निर्गमन
(ISSUE OF DEBENTURES AS A COLLATERAL SECURITY)

अर्थ (Meaning)—सहायक प्रतिभूति का अर्थ है—अतिरिक्त या द्वितीयक या सहायक प्रतिभूति (Collateral Security means Additional or Secondary or Subsidiary Security)। कम्पनी बैकों तथा वित्तीय संस्थानों से ऋण लेती है और बन्धक के रूप में मुख्य प्रतिभूति (Primary Security) रखने के अतिरिक्त इन संस्थानों की मांग पर अतिरिक्त या द्वितीयक या सहायक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों का निर्गमन भी करती है। ऋणदाताओं को इन ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान नहीं किया जाता है, क्योंकि इन्हें ऋण की राशि पर ब्याज दिया जाता है। यदि कम्पनी वित्तीय संस्थानों को ऋण वापस नहीं कर पाती है तो ये संस्थान मुख्य प्रतिभूति तथा सहायक प्रतिभूति को बेचकर अपने ऋण की राशि (ब्याज सहित) को वसूल कर लेते हैं। तत्पश्चात् शेष बची

हुई राशि कम्पनी को वापस कर देते हैं। इसके विपरीत, यदि कम्पनी ऋण का भुगतान कर देती है तो ये संस्थान सहायक प्रतिभूति/ऋणपत्र को वापस कर देते हैं।

(i) कम्पनी अपने ऋणपत्रों को सहायक प्रतिभूति के रूप में देती है पर वह ऋण देने वाली संस्था को इन ऋणपत्रों पर ब्याज देने के लिए उत्तरदायी नहीं होती है।
(ii) केवल उधार ली गई राशि पर ब्याज दिया जाता है। ऋणपत्र पर ब्याज नहीं दिया जाता है।
(iii) कम्पनी केवल ऋण की राशि का भुगतान देने के लिए उत्तरदायी है; न कि निर्गमित ऋणपत्रों के अंकित मूल्य का।
(iv) ऋण देने वाली संस्था ऐसे ऋणपत्रों की केवल रक्षक (custodian) है।
(v) ऋण देने वाली संस्था कम्पनी से ऋण की वापसी न होने पर सर्वप्रथम प्राथमिक प्रतिभूति बेचकर अपने ऋण की वसूली करती है। इसके बाद भी ऋण की पूरी वापसी नहीं हो पाती है तो द्वितीयक प्रतिभूति बेची जाती है।
(vi) तत्पश्चात् ऋण देने वाली कम्पनी शेष बची हुई राशि कम्पनी को वापस कर देती है।

लेखांकन व्यवहार (Accounting Treatment)—सहायक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों का निर्गमन निम्नलिखित दो विधियों से किया जाता है :

प्रथम विधि : सहायक प्रतिभूति की लेखा पुस्तकों में प्रविष्टि नहीं करना (First Method : No entry is made in the books of accounts of Collateral Security)—इस विधि में सहायक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों के निर्गमन करने का लेखा नहीं किया जाता है। केवल ऋण प्राप्त करने का लेखा होता है। ऋण देने वाली संस्था ऋण का भुगतान पाने के बाद ऋणपत्रों को वापस कर देती है।

बैंक से ऋण लेना	**Bank A/c** Dr. **To Bank Loan A/c** **(Being the loan taken from Bank on the collateral security of......debentures of ₹.....each)**

आर्थिक चिट्ठे में प्रदर्शन (Presentation in Balance Sheet)—सहायक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्र के निर्गमन का लेखा नहीं किया जाता है। इसे कम्पनी के आर्थिक चिट्ठे के 'समता और दायित्व' के अन्तर्गत 'गैर-चालू दायित्व' शीर्षक में Bank Loan के नीचे टिप्पणी के रूप में दिखाते हैं। उदाहरण के लिए, X कम्पनी ने बैंक से 80,000 ₹ ऋण लेने के बदले 100 ₹ प्रत्येक की दर से 1,000, 9% ऋणपत्रों को निर्गमित किया है। इस तथ्य को आर्थिक चिट्ठा में निम्न प्रकार दिखाते हैं :

Balance Sheet of X Company Ltd. (An Extract)

(as at...........)

Particulars	*Note No.*	*Current Year*	*Previous Year*
		₹	₹
I. EQUITY AND LIABILITIES			
Non-current liabilities :			
Long-term borrowings :			
Bank loan		80,000	—
(On collateral security of 1,000, 9% Debentures @ ₹ 100 each)			
II. ASSETS			
Current assets :			
Cash and cash equivalents (Cash at bank)		80,000	—

द्वितीय विधि : सहायक प्रतिभूति की लेखा पुस्तकों में प्रविष्टि करना (Second Method : An entry is made in the books of account of Collateral Security)—प्राथमिक प्रतिभूति को बेचकर ऋण का पूर्ण भुगतान न हो पाने की स्थिति में द्वितीयक प्रतिभूति को बेचा जाता है। ऐसी स्थिति में निम्न रोजनामचा प्रविष्टियां की जाती है :

1. बैंक से ऋण लेना	Bank A/c Dr. To Bank Loan A/c **(Being the loan taken from Bank on the collateral security of ...... debentures of ₹.....each)**
2. सहायक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्र का निर्गमन	Debenture Suspense A/c Dr. To Debentures A/c **(Being ...... debentures of ₹......each issued as collateral security for loan taken from Bank)**

आर्थिक चिट्ठे में प्रदर्शन (Presentation in Balance Sheet)—Debenture Suspense Account को 'Equity and Liabilities' के अन्तर्गत Debentures Account में से घटाकर दिखाते हैं। Bank Loan को Long-term Borrowings के अन्तर्गत दिखाते हैं।

Balance Sheet of X Company Ltd. (An Extract)

(*as at.........*)

Particulars		*Note No.*	*Current Year* ₹	*Previous Year* ₹
I. EQUITY AND LIABILITIES				
Non-current liabilities :				
Long-term borrowings :			80,000	
Bank loan (on collateral security of 1,000, 9% Debentures of ₹ 100 each)				—
9% Debentures	1,00,000			
Less : Debenture suspense a/c	1,00,000			
II. ASSETS				
Current assets :				
Cash and cash equivalents (Cash at bank)			80,000	—

ऋणपत्रों की ब्याज पर आयकर की कटौती

(DEDUCTION OF INCOME-TAX ON THE INTEREST ON DEBENTRUES)

(1) जब ब्याज बकाया होता है :

	Debenture Interest A/c Dr.
	    To Debentureholders' A/c
	    To Income-tax A/c
	(Being half year's Debenture Interest and Income-tax thereon)
			Gross Interest	Net Int.
				Income-tax deducted

(2) जब इस ब्याज का भुगतान किया जाता है

	Debentureholders' A/c... Dr.			
	To Cash A/c			
	(Being payment of interest)			

(3) वर्ष के अन्त में ऋणपत्रों का ब्याज खाता बन्द करने के लिए इस खाते की बाकी को लाभ-हानि के विवरण में हस्तान्तरित कर दिया जाता है।

	Statement of P & L Dr.			
	To Debenture Interest A/c			
	(Being closing of Debenture Interest A/c)			

Illustration 15

शोधन की शर्तों के अन्तर्गत ऋणपत्रों के निर्गमन का लेखांकन
(ACCOUNTING FOR ISSUE OF DEBENTURES CONSIDERING TERMS AND CONDITIONS OF REDEMPTION)

कम्पनी सामान्यतया ऋणपत्रों के निर्गमन के समय ही ऋणपत्रों के शोधन की तिथि को उसके शोधन की शर्तों का उल्लेख ऋणपत्रों पर कर देती है। **ऋणपत्रों का शोधन सममूल्य** (at par) **या अधिमूल्य** (Premium) **पर हो सकता है, बट्टा** (Discount) **पर कदापि शोधन नहीं किया जा सकता है।**

ऋणपत्रों के निर्गमन की सम्भावनाओं और शोधन की शर्तों के आधार पर सामान्यतया निम्नलिखित स्थितियां व्यवहार में हैं :

1. **जब ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य पर हो और शोधन सममूल्य पर हो** (When debentures are issued at par and redeemable at par) :

उदाहरण : 100 ₹ मूल्य का एक ऋणपत्र सममूल्य अर्थात् 100 ₹ पर निर्गमित किया जाए और इसका शोधन भी सममूल्य अर्थात् 100 ₹ पर किया जाए, तो इसकी प्रविष्टियां अग्र प्रकार की जाती हैं :

(i) सममूल्य पर ऋणपत्रों का निर्गमन (Issue of debentures at par)	(a) Bank A/c ... Dr. To Debenture Application and Allotment A/c (Being debenture application and allotment money received on ...... debentures @ ₹ ...... each)	100	100
	(b) Debenture Application and Allotment A/c ... Dr. To Debentures A/c (Being debenture application and allotment money received on ... debentures @ ₹ ...... each transferred to Debentures A/c)	100	100
(ii) सममूल्य पर ऋणपत्रों का शोधन (Redemption of debentures at par)	(a) Debentures A/c ... Dr. To Debentureholders' A/c (Being amount of ...... debentures @ ₹ ... each due to debentureholders)	100	100
	(b) Debentureholders' A/c ... Dr. To Bank A/c (Being payment made to debentureholders on .... debentures @ ₹ ... each)	100	100

2. **जब ऋणपत्रों का निर्गमन प्रीमियम पर और शोधन सममूल्य पर हो** (When debentures are issued at premium but redeemable at par) :

उदाहरण : 100 ₹ मूल्य का एक ऋणपत्र 10% प्रीमियम अर्थात् 110 ₹ पर निर्गमित किया जाए और इसका शोधन सममूल्य अर्थात् ₹ 100 पर किया जाए, तो इसकी प्रविष्टियां अग्र प्रकार की जाती हैं :

(i) प्रीमियम पर ऋणपत्रों का निर्गमन (Issue of debentures at premium)	(a) Bank A/c ... Dr. To Debenture Application and Allotment A/c (Being debenture application and allotment money received ... debentures @ ₹ ...... each including premium)	110	110
	(b) Debenture Application and Allotment A/c ... Dr. To Debentures A/c To Securities Premium Reserve A/c (Being debenture application and allotment money received on ..... debentures @ ₹ ... each transferred to Debentures A/c and Securities Premium Reserve A/c)	110	100 10
(ii) सममूल्यों पर ऋणपत्रों का शोधन (Redemption of debentures at par)	(a) Debentures A/c ... Dr. To Debentureholders' A/c (Being amount of ... debentures @ ₹ .... each due to debentureholders at par)	100	100
	(b) Debentureholders' A/c ... Dr. To Bank A/c (Being payment made to debentureholders on .... debentures @ ₹ ... each at par)	100	100

आर्थिक चिट्ठा में प्रस्तुतिकरण (Presentation in the Balance Sheet)—प्रतिभूति प्रीमियम संचय पूंजीगत लाभ (Capital profit) है। इसका क्रेडिट शेष होता है। इसे आर्थिक चिट्ठा के 'समता और दायित्व' के नीचे अंशधारियों के कोष (Shareholders' Funds) के अन्तर्गत Reserve and Surplus शीर्षक के अधीन दिखाते हैं।

3. **जब ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य पर और शोधन प्रीमियम पर हो** (When debentures are issued at par and redeemable at premium)—कभी-कभी कम्पनी अपने ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य पर करती है, पर निर्गमन के समय ऋणपत्र पर ही यह अंकित कर देती है कि ऐसे ऋणपत्रों का शोधन करते समय कम्पनी प्रीमियम भी देगी।

ऋणपत्रों के शोधन के समय ऋणपत्रधारकों को ऋणपत्र शोधन प्रीमियम (Debenture Redemption Premium) दिया जाता है, पर इसकी जानकारी ऋणपत्रों के निर्गमन के समय होने के कारण यह ज्ञात हानि (known loss) या ज्ञात दायित्व (known liability) होता है, इसलिए कम्पनी ऋणपत्रों के निर्गमन के समय ही Convention of Conservatism या Prudence Concept के आधार पर इसका लेखा कर लेती है। इसीलिए कम्पनी ऋणपत्रों के निर्गमन के समय ही ''Loss on Issue of Debentures A/c'' को प्रीमियम की देय राशि से डेबिट करती है।

उदाहरण : 100 ₹ का एक ऋणपत्र सममूल्य अर्थात् 100 ₹ पर निर्गमित किया जाए और इसका शोधन 10% प्रीमियम अर्थात् 110 ₹ पर किया जाए, तो इसकी प्रविष्टियां निम्न प्रकार की जाती हैं :

(i) सममूल्य पर ऋणपत्रों का निर्गमन (Issue of debentures at par)	(a)	Bank A/c To Debenture Application and Allotment A/c (Being debenture application and allotment money received on ... debentures @ ₹ ... each)	Dr. 100	100
	(b)	Debenture Application and Allotment A/c Loss on Issue of Debentures A/c To Debentures A/c To Premium on Redemption of Debentures A/c (Being debenture application and allotment money received on ... debentures @ ₹ ... each transferred to Debentures A/c)	Dr. 100 Dr. 10	 100 10
(ii) प्रीमियम पर ऋणपत्रों का शोधन (Redemption of debentures at premium)	(a)	Debentures A/c Premium on Redemption of Debentures A/c To Debentureholders' A/c (Being amount of ... debentures @ ₹ ... each including premium due to debentureholders)	Dr. 100 Dr. 10	 110
	(b)	Debentureholders' A/c To Bank A/c (Being payment made to debentureholders including premium)	Dr. 110	 110

आर्थिक चिट्ठा में प्रस्तुतिकरण (Presentation in the Balance Sheet)—(अ) Loss on Issue of Debentures A/c की राशि को आर्थिक चिट्ठे में Securities Premium Reserve में से अपलिखित किया जा सकता है। यदि प्रश्न में ऐसा कोई संकेत न हो तो इसे Other Non-current Assets में Unamortised Expenses के रूप में दिखाते हैं।

(ब) Premium on Redemption of Debentures Account का क्रेडिट शेष होता है। यह कम्पनी के पक्ष में दायित्व है। इसे आर्थिक चिट्ठा में 'समता और दायित्व' (Equity and Liabilities) के अन्तर्गत मुख्य शीर्षक 'गैर-चालू दायित्व' (Non-current Liabilities) के उपशीर्षक 'दीर्घकालीन प्रावधान' (Long-term Provisions) में ऋणपत्रों का भुगतान होने तक प्रदर्शित किया जाता है। ऋणपत्रों के शोधन के समय इस खाते को शोधन की प्रविष्टि में डेबिट कर बन्द कर दिया जाता है।

4. **जब ऋणपत्रों का निर्गमन प्रीमियम पर और शोधन प्रीमियम पर हो** (When debentures are issued at premium but redeemable at premium)

उदाहरण : 100 ₹ का एक ऋणपत्र 10% प्रीमियम अर्थात् 110 ₹ पर निर्गमित किया जाए और इसका शोधन 15% प्रीमियम अर्थात् 115 ₹ पर किया जाए, तो इसकी प्रविष्टियां निम्न प्रकार होती हैं :

(i) प्रीमियम पर ऋणपत्रों का निर्गमन (Issue of debentures at premium)	(a) Bank A/c To Debenture Application and Allotment A/c (Being debenture application and allotment money received on ... debentures @ ₹ ... each including premium)	Dr. 110	 110

	(b) Debenture Application and Allotment A/c	Dr. 110	
	Loss on Issue of Debentures A/c	Dr. 15	
	To Debentures A/c		100
	To Securities Premium Reserve A/c		10
	To Premium on Redemption of Debentures A/c		15
	(Being debenture application and allotment money tranferred to Debentures Account)		
(ii) प्रीमियम पर ऋणपत्रों का शोधन (Redemption of debentures at premium)	(a) Debentures A/c	Dr. 100	
	Premium on Redemption of Debentures A/c	Dr. 15	
	To Debentureholders' A/c		115
	(Being amount of ... debentures @ ₹ ... each including premium due to debentureholders)		
	(b) Debentureholders' A/c	Dr. 115	
	To Bank A/c		115
	(Being payment made to debentureholders including premium)		

आर्थिक चिट्ठा में प्रस्तुतिकरण (Presentation in Balance Sheet)—(अ) कम्पनी के आर्थिक चिट्ठा में 'समता और दायित्व' (Equity and Liabilities) के अन्तर्गत मुख्य शीर्षक 'Shareholders' Funds' के उपशीर्षक 'Reserve and Surplus' में Securities Premium Reserve के रूप में दर्शाया जाता है।

(ब) Premium on Redemption of Debentures Account को आर्थिक चिट्ठा में समता और दायित्व (Equity and Liabilities) के अन्तर्गत मुख्य शीर्षक 'गैर-चालू दायित्व' (Non-Current Liabilities) के उपशीर्षक 'दीर्घकालीन प्रावधान' (Long-term Provisions) में दिखाया जाता है।

5. **जब ऋणपत्रों का निर्गमन छूट पर और शोधन सममूल्य पर हो** (When debentures are issued at discount and rdeemable at par)

उदाहरण : 100 ₹ का एक ऋणपत्र 10% छूट अर्थात् ₹ 90 पर निर्गमित किया जाए और इसका शोधन सममूल्य अर्थात् 100 ₹ पर किया जाए, तो इसकी प्रविष्टियां निम्न प्रकार होती हैं :

(i) छूट पर ऋणपत्रों का निर्गमन (Issue of debentures at discount)	(a) Bank A/c	Dr. 90	
	To Debenture Application and Allotment A/c		90
	(Being debenture application and allotment money received on ... debentures @ ₹ ... each excluding discount)		
	(b) Debenture Application and Allotment A/c	Dr. 90	
	Discount on Issue of Debentures A/c	Dr. 10	
	To Debentures A/c		100
	(Being debenture application and allotment money received on ... debentures @ ₹ ... each transferred to Debentures A/c)		
(ii) सममूल्य पर ऋणपत्रों का शोधन (Redemption of debentures at par)	(a) Debentures A/c	Dr. 100	
	To Debentureholders' A/c		100
	(Being amount of ... debentures @ ₹ ... each due to debentureholders)		
	(b) Debentureholders' A/c	Dr. 100	
	To Bank A/c		100
	(Being payment made to debentureholders)		

आर्थिक चिट्ठा में प्रस्तुतिकरण (Presentation in Balance Sheet)—Discount on Issue of Debentures कम्पनी के लिए पूंजीगत हानि (Capital loss) है। इसे 'Securities Premium Reserve' से अपलिखित किया जाता है या प्रश्न में कहे अनुसार Statement of Profit & Loss से अपलिखित किया जा सकता है। यदि इसकी राशि अपलिखित न हो पाये जो इसे

Assets Side में अपलिखित किये जाने की अवधि की सम्भावना के आधार पर 'Other Non-current Assets' या 'Other Current Assets' में 'Unamortised Expenses' के रूप में दर्शाया जाता है।

6. **जब ऋणपत्रों का निर्गमन छूट पर और शोधन प्रीमियम पर हो** (When debentures are issued at discount and redeemable at a premium)

उदाहरण : 100 ₹ का एक ऋणपत्र 10% छूट अर्थात् 90 ₹ पर निर्गमित किया जाए और इसका शोधन 10% प्रीमियम अर्थात् 110 ₹ पर किया जाए, तो इसकी प्रविष्टियां अग्र प्रकार होती हैं :

(i) छूट पर ऋणपत्रों का निर्गमन (Issue of debentures at discount)	(a) Bank A/c	Dr.	90	
	To Debenture Application and Allotment A/c			90
	(Being debenture application and allotment money received on ....debentures @ ₹.....each excluding discount)			
	(b) Debenture Application and Allotment A/c	Dr.	90	
	Loss on Issue of Debentures A/c	Dr.	20	
	To Debentures A/c			100
	To Premium on Redemption of Debentures A/c			10
	(Being debenture application and allotment money received on ....debentures @ ₹ .....each transferred to Debentures A/c)			
(ii) प्रीमियम पर ऋणपत्रों का शोधन (Redemption of debentures at premium)	(a) Debentures A/c	Dr.	100	
	Premium on Redemption of Debentures A/c	Dr.	10	
	To Debentureholders' A/c			110
	(Being amount of ......debentures @ ₹....... each including premium due to debentureholders)			
	(b) Debentureholders' A/c	Dr.	110	
	To Bank A/c			110
	(Being payment made to debentureholders including premium)			

आर्थिक चिट्ठा में प्रस्तुतिकरण (Presentation in the Balance Sheet)—(अ) Loss (Discount) on Issue of Debentures ₹ 10 और Premimum on Redemption on Debentures ₹ 10 दोनों ही पूंजीगत हानियां (Capital losses) हैं। इस कारण दोनों (₹ 10 + ₹ 10 = ₹ 20) को Loss on Issue of Debentures A/c में डेबिट किया गया है।

(ब) Loss on Issue of Debentures A/c को 'Equity and Liabilities' के अन्तर्गत Shareholders' Funds के उपशीर्षक 'Securities Premium Reserve' में से घटाया जाता है। यदि Securities Premium Reserve न हो तो इसे सम्पत्ति पक्ष में Other Non-current Assets के अन्तर्गत ''Unamortised Expenses' के रूप में दिखाया जायेगा।

(स) Premium on Redemption of Debentures A/c का हमेशा क्रेडिट शेष होता है। यह कम्पनी के लिए दायित्व है। इसे आर्थिक चिट्ठा के 'Equity and Liabilities' के अन्तर्गत Non-current Liabilities के उपशीर्षक 'Long-term Provisions' में दिखाया जाता है।

ऋणपत्रों का शोधन
(REDEMPTION OF DEBENTURES)

ऋणपत्रों के शोधन का अर्थ
(MEANING OF REDEMPTION OF DEBENTURES)

ऋणपत्रों के शोधन का अर्थ है : ऋणपत्रधारियों को ऋणपत्र के शोधन (भुगतान वापसी) द्वारा ऋणपत्र/बन्ध-पत्र के खातों पर देनदारियों से मुक्ति पाना। सामान्यतया ऋणपत्र का शोधन निर्गमन के नियम और शर्तों के आधार पर अवधि की समाप्ति पर होता है।*

ऋणपत्रों के शोधन (वित्त) के स्रोत
[SOURCES OF FUNDS (FINANCE) FOR REDEMPTION OF DEBENTURES]

ऋणपत्रों के शोधन के लिए एक बड़ी राशि की आवश्यकता पड़ती है। एक कम्पनी निम्नलिखित में से कोई एक या एक से अधिक साधनों का प्रयोग ऋणपत्रों के शोधन हेतु करती है :

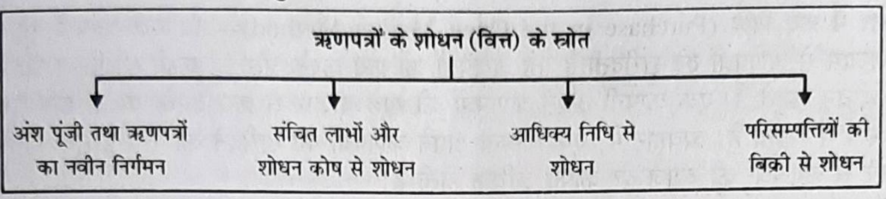

(1) **अंश पूंजी तथा ऋणपत्रों का नवीन निर्गमन** (Fresh Issue of Share Capital and Debentures)—नई पूंजी के निर्गमन के द्वारा विद्यमान दायित्व के स्थान पर नया दायित्व उत्पन्न किया जा सकता है। कम्पनी नए अंशों/ऋणपत्रों को जारी कर सकती है तथा उनकी प्राप्तियों का प्रयोग ऋणपत्रों के शोधन के लिए किया जा सकता है। इस विधि के द्वारा कम्पनी अपने कार्यशील पूंजी के स्तर को बनाए रखती है। नए अंश/ऋणपत्र का निर्गमन सममूल्य, प्रीमियम या बट्टे पर किया जा सकता है। इस स्थिति में ऋणपत्र शोधन संचय (Debenture Redemption Reserve) बनाने की आवश्यकता नहीं होती है।

(2) **संचित लाभों तथा शोधन कोष से शोधन** (Redemption out of Accumulated Profits and Sinking Fund)—ऋणपत्रों के शोधन के समय कम्पनी को वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इन कठिनाइयों से बचने के लिए कम्पनी ऋणपत्रों के शोधन हेतु अपने वार्षिक लाभों में से कुछ राशि अपने पास रख लेती है और उसे :

(क) आन्तरिक वित्त व्यवस्था के अन्तर्गत व्यापार में निवेशित कर देती है;

(ख) व्यापार के बाहर विपणन योग्य प्रतिभूतियों में निवेश कर देती है।

(3) **आधिक्य निधि से शोधन** (Redemption out of Surplus Funds)—ऋणपत्रों के शोधन हेतु कम्पनी की आधिक्य निधियों का भी प्रयोग किया जा सकता है, अर्थात् कम्पनी अपनी आधिक्य निधियों से अपने स्वयं के ऋणपत्र खरीद सकती है।

(4) **परिसम्पत्तियों की बिक्री से शोधन** (Redemption from Realising the Assets)—कम्पनी अचल सम्पत्तियों की बिक्री से प्राप्त राशि से ऋणपत्रों का शोधन कर सकती है। यह ऋणपत्रों के शोधन हेतु वित्त प्राप्त करने का असामान्य स्रोत है और कम्पनी की ख्याति पर विपरीत प्रभाव डालता है।

ऋणपत्रों के शोधन की विधियां
(METHODS OF REDEMPTION OF DEBENTURES)

ऋणपत्रों के भुगतान की निम्नलिखित महत्वपूर्ण विधियां हैं :

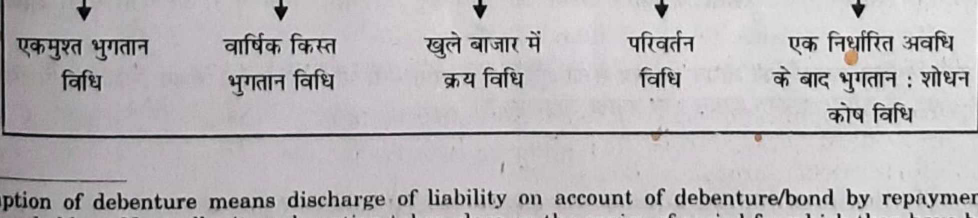

* Redemption of debenture means discharge of liability on account of debenture/bond by repayment made to debentureholders. Normally, its redemption takes place on the expiry of period for which they have been issued, depending upon the terms and conditions of issue.

1. **एकमुश्त भुगतान विधि** (Lump-sum Payment Method)—इस विधि के अन्तर्गत कम्पनी अवधि की समाप्ति के बाद ऋणपत्रधारियों को कुल राशि एकमुश्त देकर ऋणपत्रों का शोधन कर देती है या विकल्प के रूप में पूर्व में भी भुगतान कर सकती है। इस विधि के अन्तर्गत कम्पनी को शोधन की तिथि की पूर्व से ही जानकारी रहती है और इसी के अनुरूप कम्पनी अपने वित्तीय संसाधनों को नियोजित कर लेती है। **इस विधि में ऋणपत्रों का लाभों में से भुगतान** (Payment out of Profits) **किया जाता है।**

2. **वार्षिक किस्त भुगतान विधि** (Annual Installments Payment Method)—इस विधि के अन्तर्गत ऋणपत्रों की अवधि के दौरान प्रत्येक वर्ष के अन्त में ऋणपत्रों का शोधन किस्तों में किया जाता है। ऋणपत्रों के दायित्व की कुल राशि को वर्षों की संख्या से भाग देकर वार्षिक किस्त की राशि निकाली जाती है। किन ऋणपत्रधारियों के ऋणपत्रों का भुगतान पहले वर्ष किया जाए और किनका दूसरे या तीसरे या अन्तिम वर्ष किया जाए—इस समस्या के समाधान हेतु लॉटरी पद्धति (Lottery System) का प्रयोग किया जाता है। लॉटरी विधि का प्रयोग तब तक किया जाता है जब तक कि सम्पूर्ण ऋणपत्रों का शोधन नहीं हो जाता है। **इस विधि में ऋणपत्रों का लाभों में से भुगतान** (Payment out of Profits) **किया जाता है।** वार्षिक किस्त (आहरण) की रकम का एकसमान होना आवश्यक नहीं है।

3. **खुले बाजार में क्रय विधि** (Purchase in the Open Market Method)—जब एक कम्पनी रद्द करने के उद्देश्य से स्कन्ध विपणि के माध्यम से ऋणपत्रों को खरीदती है, तो ऋणपत्रों को क्रय करने और रद्द करने की क्रिया को खुले बाजार से क्रय द्वारा ऋणपत्रों का शोधन कहते हैं। एक कम्पनी अपने ऋणपत्रों को खुले बाजार से क्रय करके या तो उन्हें तुरन्त रद्द कर देती है या उन्हें निवेश के रूप में रखती है। व्यवहार में, एक कम्पनी अपने ऋणपत्रों को खरीदने की तब इच्छुक होती है, जबकि बाजार में वर्तमान ब्याज दर से ऋणपत्रों की ब्याज दर काफी अधिक होती है।

4. **परिवर्तन विधि** (Conversion Method)—परिवर्तन द्वारा ऋणपत्रों के शोधन का अर्थ ऋणपत्रों का शोधन नए समता अंशों/ऋणपत्रों के नए निर्गमनों के द्वारा करना है। ये नए समता अंश या नए ऋणपत्र सममूल्य या प्रीमियम या छूट पर निर्गमित किए जाते हैं। ऋणपत्रों के शोधन के इस विकल्प का प्रयोग ऋणपत्रधारियों की इच्छा या निर्गमन की शर्तों के अनुसार किया जाता है।

5. **एक निर्धारित अवधि के बाद भुगतान : शोधन कोष विधि** (Payment after a Fixed Period : Sinking Fund Method)—एक निर्धारित अवधि के बाद ऋणपत्रों का एकमुश्त भुगतान करने हेतु प्रतिवर्ष 'लाभ-हानि खाता' के आधिक्य से एक निश्चित धनराशि हस्तान्तरित करके 'शोधन कोष' बनाया जाता है। इस कोष में विनियोजित राशि को बाह्य प्रतिभूतियों में निवेशित कर दिया जाता है। साथ ही बाह्य प्रतिभूतियों से प्राप्त ब्याज को भी बाह्य प्रतिभूतियों में निवेशित किया जाता है। ऋणपत्रों के शोधन के समय निवेशों को बेचा जाता है और प्राप्त राशि का उपयोग ऋणपत्रों के शोधन में किया जाता है।

एकमुश्त भुगतान विधि द्वारा ऋणपत्रों का शोधन
(REDEMPTION OF DEBENTURES BY LUMP-SUM PAYMENT METHOD)

अर्थ (Meaning)—ऋणपत्रों के निर्गमन की शर्तों के अनुसार एक निश्चित अवधि की समाप्ति के बाद जब ऋणपत्रों का शोधन ऋणपत्रधारियों को एकमुश्त भुगतान देकर किया जाता है तो इसे एकमुश्त भुगतान विधि द्वारा ऋणपत्रों का शोधन कहते हैं।

शोधन की विधियां (Methods of Redemption)—एकमुश्त भुगतान विधि द्वारा ऋणपत्रों के शोधन की अग्रलिखित दो विधियां हैं :

1. **पूंजी में से ऋणपत्रों का शोधन** (Redemption of Debentures out of Capital)—जब ऋणपत्रों का शोधन कम्पनी के चालू साधनों में से किया जाता है तो इसे पूंजी में से ऋणपत्रों का शोधन कहते हैं।* इससे कम्पनी की कार्यशील पूंजी में कमी आती है।

कम्पनीज अधिनियम, 2013 **की धारा** 71 पूंजी में से ऋणपत्रों के शोधन पर प्रतिबन्ध लगाती है। अतः कोई कम्पनी शुद्ध रूप से (Purely) पूंजी में से ऋणपत्रों का शोधन नहीं कर सकती। उसे निर्गमित ऋणपत्रों के मूल्य के कम-से-कम 25% भाग का शोधन लाभों में से (ऋणपत्र शोधन संचय खाता बनाकर) करना अनिवार्य है, शेष भाग लाभों में से या पूंजी में से शोधित किया जा सकता है।

नोट : कम्पनी अपने निर्गमित ऋणपत्रों का शोधन पूर्ण रूप से या शुद्ध रूप से लाभों में से भी कर सकती है लेकिन इसके लिए निर्गमित ऋणपत्रों के मूल्य के 100% के बराबर ऋणपत्र शोधन कोष बनाना आवश्यक है।

रोजनामचा प्रविष्टियां (Journal Entries)—जब पूंजी में से ऋणपत्रों का शोधन किया जाता है तब निम्न रोजनामचा प्रविष्टियां की जाती हैं :

ऋणपत्रों का सममूल्य पर शोधन (Redemption of Debentures at Par) :

(a) ऋणपत्र खाता को ऋणपत्रधारियों के खाते में हस्तान्तरित करना (For transfer of Debentures Account to Debentureholders' Account)	Debentures A/c Dr. To Debentureholders' A/c (Being amount due to debentureholders for redemption at par)
(b) ऋणपत्रधारियों को भुगतान करना (For payment made to Debentureholders)	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Being payment made to debentureholders at par)

ऋणपत्रों का प्रीमियम पर शोधन (Redemption of Debentures at Premium) :

(a) ऋणपत्र खाता को ऋणपत्रधारियों के खाते में प्रीमियम सहित हस्तान्तरित करना (For transfer of Debentures Account to Debentureholders' Account including premium)	Debentures A/c Dr. Premium on Redemption of Debentures A/c Dr. To Debentureholers' A/c (Being amount due on redemption of debentures including premium)
(b) ऋणपत्रधारियों को भुगतान करना (For payment made to Debentureholders)	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Being payment made to debentureholders including premium)

ऋणपत्रों का छूट पर शोधन (Redemption of Debentures at Discount) :

(a) ऋणपत्र खाता को ऋणपत्रधारियों के खाते में छूट सहित हस्तान्तरित करना (For transfer of Debentures Account to Debentureholders' Account including discount)	Debentures A/c Dr. To Debentureholders' A/c To Gain/Profit on Redemption of Debentures A/c (Being amount due on redemption of debentures excluding discount)
(b) ऋणपत्रधारियों को भुगतान करना (For payment made to debentureholders)	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Being payment made to debentureholders excluding discount)

Notes : (i) Gain/Profit on Redemption of Debentures is a capital profit. It may be used to write off the amount of discount on debentures, otherwise it is transferred to Capital Reserve Account.

(ii) Premium on Redemption of Debentures is debited because it is a capital loss. It is written off through Securities Premium Reserve/Statement of Profit & Loss.

2. **लाभों में से ऋणपत्रों का शोधन : ऋणपत्र शोधन संचय का निर्माण** (Redemption out of Profit : Creation of Debenture Redemption Reserve Account)—कम्पनीज अधिनियम, 2013 की धारा 71(4) के अनुसार जब भी कोई कम्पनी इस धारा के अन्तर्गत ऋणपत्र निर्गमित करती है तो उसे लाभांश के भुगतान के लिए उपलब्ध लाभों में से ऋणपत्र शोधन संचय का सृजन करना होगा और इस संचय में जमा राशि का प्रयोग ऋणपत्रों के शोधन के अतिरिक्त अन्य किसी कार्य में नहीं होगा।

इस धारा से सम्बन्धित नियमों में निम्न व्यवस्था की गयी है :

(1) कम्पनी ऋणपत्रों के शोधन के प्रारम्भ होने से पूर्व ऋणपत्रों द्वारा जुटायी गयी राशि के कम-से-कम 25% के बराबर ऋणपत्र शोधन संचय (या कोष) का सृजन करेगी।

(2) ऋणपत्र शोधन संचय की आवश्यकता वाली प्रत्येक कम्पनी प्रत्येक वर्ष 30 अप्रैल या उससे पहले एक राशि निम्न में से किसी एक या अधिक प्रकार से विनियोजित या जमा करेगी। यह राशि अगले वर्ष 31 मार्च को समाप्त होने वाले वर्ष में भुगतान के लिए परिपक्व हो रहे ऋणपत्रों की राशि के 15% से कम नहीं होगी :

(a) किसी अनुसूचित बैंक में, किसी भी प्रभार से मुक्त, जमा;

(b) केन्द्र सरकार या किसी राज्य सरकार की असुरक्षित प्रतिभूतियां;

* When the debentures are redeemed out of current sources of the company, it is known as redemption of debentures out of capital.

(c) भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882 की धारा 20 के उप-वाक्यांश (a) से (d) एवं (ee) में उल्लिखित भार रहित प्रतिभूतियां;

(d) किसी अन्य कम्पनी द्वारा निर्गमित भार रहित बॉण्ड जो भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882 की धारा 20 में उप-वाक्यांश (f) में उल्लिखित है।

उपर्युक्त प्रकार से जमा की गयी या विनियोजित की गयी राशि वर्ष के दौरान परिपक्व हो रहे ऋणपत्रों के शोधन के अतिरिक्त अन्य किसी उद्देश्य के लिए नहीं की जायेगी। यह शर्त अवश्य है कि जमा या विनियोग की शेष राशि उस वर्ष में 31 मार्च को समाप्त होने वाले वर्ष में परिपक्व हो रहे ऋणपत्रों की राशि के 15% से कम कभी भी नहीं रहेगी।

(3) आंशिक परिवर्तनीय ऋणपत्रों की दशा में ऋणपत्र शोधन संचय ऋणपत्र के गैर-परिवर्तनीय भाग के लिए ही सृजित किया जायेगा।

ऋणपत्र शोधन संचय खाता का प्रदर्शन
(PRESENTATION OF DEBENTURE REDEMPTION RESERVE ACCOUNT)

आर्थिक चिट्ठा के दायित्व पक्ष में 'संचय और आधिक्य' शीर्षक के अन्तर्गत ऋणपत्र शोधन संचय खाता को दिखाया जाता है। ऋणपत्रों का शोधन हो जाने के बाद ऋणपत्र शोधन संचय खाता का शेष सामान्य संचय में हस्तान्तरित कर दिया जाता है।

Tutorial Note

When Debenture Redemption Reserve Account is created, redemption of debentures is termed as redemption out of profits; otherwise it is treated as redemption out of capital.

Journal Entries in case of Redemption of Debentures out of profits (Creation of Debenture Redemption Reserve Account)

(1) शोधनीय ऋणपत्रों के अंकित मूल्य के 15% के बराबर विनियोग क्रय करने पर (For purchasing investment equal to 15% of the face value of redeemable debentures)	Debenture Redemption Investment A/c Dr. To Bank A/c (Being investment purchased @ 15% of the face value of debentures redeemed)
(2) विनियोग की विक्री करने पर (For encashment of investment)	Bank A/c Dr. To Debenture Redemption Investment A/c (Being investment encashed)

1 कम्पनी के वित्तीय विवरणों के नवीन प्रारूप में 'P&L Appropriation A/c' समाप्त कर दिया गया है। अतः उसके स्थान पर 'Surplus A/c' का प्रयोग किया गया है।

(3) ऋणपत्र शोधन संचय का सृजन करना (For creation of Debenture Redemption Reserve)	Statement of P & L ... Dr. To Debenture Redemption Reserve A/c (Being transfer of profit to DRR as per section 71 and SEBI rules)
(4) शोधन पर ऋणपत्रधारियों को राशि देय होना (On the amount being due to Debentureholders on Redemption)	
(a) यदि ऋणपत्रों का भुगतान सममूल्य पर हो (If debentures are to be redeemed at par)	Debentures A/c (with Nominal value) Dr. To Debentureholders' A/c (Being amount due on redemption of debentures at par)
(b) यदि ऋणपत्रों का भुगतान प्रीमियम पर हो (If debentures are to be redeemed at premium)	Debentures A/c (with Nominal value) Dr. Premium on Redemption of Debentures A/c Dr. (with Premium payable) To Debentureholders' A/c (Being amount due on redemption of debentures at a premium)
(c) यदि ऋणपत्रों का भुगतान छूट पर हो (If debentures are to be redeemed at discount)	Debentures A/c (with Nominal value) Dr. To Debentureholders' A/c (with net amount payable) To Profit on Redemption of Debentures A/c (with discount on redemption) (Being amount due on redemption of debentures at a discount)
(5) ऋणपत्रधारियों को भुगतान देना (On payment to Debentureholders)	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (with amount paid) (Being amount paid to debentureholders)
(6) ऋणपत्रों का कुल शोधन करने के बाद ऋणपत्र शोधन संचय खाता का शेष सामान्य संचय खाता में हस्तान्तरित करना (For transfer of balance of Debenture Redemption Reserve A/c to General Reserve A/c)	Debenture Redemption Reserve A/c Dr. To General Reserve A/c (Being balance of Debenture Redemption Reserve Account transferred to General Reserve Account)

Notes : (i) Gain/Profit on Redemption of Capital is a capital gain. It may be used to wirte off the amount of discount on debentures, otherwise, it is transferred to Capital Reserve Account.

(ii) Premium on Redemption of Debentures is debited because it is a capital loss. It is written off through Securities Premium Reserve or Statement of Profit & Loss.